|| श्री ||

'जय महेश'

राष्ट्रीय सुलेखा समिति - अष्टम प्रतियोगिता - गीत लेखन

विषय - पति-पत्नी का रिश्ता, वर्तमान के संदर्भ में

'रिश्ता अलबेला'

(तर्ज - जब से हुई है शादी, फिल्म - थानेदार)

नया युग नया सवेरा, नए दीप जल रहे हैं,
पत्नी-पति के रिश्ते, कुछ कुछ बदल रहे हैं|

(१) अलबेला सा अनोखा, सबसे अलग अनूठा,
इक पल लगे ये खट्टा, अगले ही पल में मीठा,
धमकी तलाक़ की दें, दिल भी मिला रहे हैं,
पत्नी-पति के रिश्ते, कुछ कुछ बदल रहे हैं|

(२) अजी सुनते हो के बदले, मियाँ हनी हो गया है,
बीवी हो गई है डार्लिंग, बेटा सनी हो गया है,
अपने ही हाथों अपनी, किस्मत बना रहे हैं,
पत्नी-पति के रिश्ते, कुछ कुछ बदल रहे हैं|

(३) घर को चलाने वाली, ऑफिस भी जा रही है,
महँगाई को हराने, रुपये कमा रही है,
एक-दूजे से ना दबने, की कसमें खा रहे हैं,
पत्नी-पति के रिश्ते, कुछ कुछ बदल रहे हैं|

(४) दोनो ही मिल के अपना, नया घर बना रहे हैं,
उँचा ही उँचा उड़ने, को पर फैला रहे हैं,
छूने को चाँद तारे, हिम्मत जुटा रहे हैं,
पत्नी-पति के रिश्ते, कुछ कुछ बदल रहे हैं|

- **श्रीमती अंजना बियानी**
(09328029028-M)
श्री माहेश्वरी महिला संगठन, राजकोट, गुजरात.
अंतर्गत गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन.